पॉपलर, यूकेलिप्टस, गंभार तथा आंवला आधारित कृषि वानिकी : आर्थिक समृद्धि के नवीन आयाम

प्रशिक्षण तथा प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन

सामाजिक वानिकी एवं पारि–पुनर्स्थापन केन्द्र, इलाहाबाद में दिनांक 09.02.2018 को डा0 अमित पाण्डेय, प्रमुख के निर्देशन में ग्राम कमासिन, जिला प्रतापगढ़ के विद्यालय में विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा कृषकों हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण तथा प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में इलाहाबाद तथा प्रतापगढ़ के कृषक, महिलाएं, विद्यालय के शिक्षकों तथा विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में केन्द्र की वैज्ञानिक डा0 अनुभा श्रीवास्तव ने प्रतिभागियों का औपचारिक स्वागत किया तथा प्रतिभागियों ने अपना परिचय दिया। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 अनीता तोमर ने कृषि वानिकी में क्लोनल पॉपलर द्वारा कृषकों को होने वाली आर्थिक आय का विस्तृत विवरण दिया। उन्होने पॉपलर की पौधशाला तैयार करना, कटिंग काटना, पौधशाला में समयबद्ध रोपण तथा क्षेत्र के पौधारोपण सम्बन्धी तकनीक को प्रस्तुत किया। पॉपलर के साधारण तथा क्लोनल पौधों के विकास तथा गुणवत्ता के अन्तर को भी डा0 तोमर ने बताया।

केन्द्र की वैज्ञानिक डा0 अनुभा श्रीवास्तव द्वारा क्लोनल यूकेलिप्टस की कृषि वानिकी में उपयोगिता का विस्तार पूर्वक विवरण दिया गया। क्लोनल पौधों की उपलब्धता, पौधशाला में रख–रखाव तथा कृषि वानिकी में रोपण सम्बन्धी तकनीकी जानकारियां डा0 श्रीवास्तव द्वारा प्रतिभागियों को दी गयी। उन्होने क्षेत्र हेतु उपयुक्त यूकेलिप्टस क्लोनों की भी जानकारियां दी। डा0 श्रीवास्तव ने उपज के परिपक्व होने पर बिक्री के स्थान जैसे– आरा मशीन, पैकिंग बाक्स उद्योग तथा निकटवर्ती प्लाईवुड/वीनियर उद्योगों के सम्पर्क सूत्र सम्बन्धी जानकारियां भी दिया कि कृषक उच्च गुणवत्ता के पौधों से कम समय में अधिक लाभ अर्जित कर सकते हैं।

केन्द्र के वैज्ञानिक श्री आलोक यादव ने कृषि–वानिकी में गंभार (मेलाइना अर्बोरिया) की उपयोगिता तथा रोपण विधियों के विषय में विस्तार पूर्वक चर्चा किया। डा0 अनुभा श्रीवास्तव ने कृषि–वानिकी में आंवला द्वारा होने वाले आर्थिक लाभ का विस्तृत

विवरण दिया। उन्नत कृषकजन ने भी कार्यक्रम में अपनी शंकाओं का निवारण किया तथा सीमान्त कृषकों हेतु उचित कृषि–वानिकी प्रजातियों के चयन पर भी विचार प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम के द्वितीय चरण में उच्च गुणवत्ता वाले पॉपलर, गंभार, आंवला तथा यूकेलिप्टस के पौधों का प्रदर्शन किया गया। क्लोनल यूकेलिप्टस पौधारोपण क्षेत्र का भी प्रतिभागियों को भ्रमण कराया गया जिसमें विभिन्न प्रकार के क्लोनों का क्षेत्र विशेष में प्रारम्भिक तुलनात्मक विवरण भी दिया गया कुछ प्रतिभागियों ने क्लोनल पौधों से होने वाले लाभ को अन्य समूह प्रतिभागियों के साथ चर्चा किया गया। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को क्लोनल पॉपलर की कटिंग तथा यूकेलिप्टस के पौधों का वितरण किया गया। कार्यक्रम का आयोजन डा0 अनीता तोमर तथा डा0 अनुभा श्रीवास्तव द्वारा उत्तर प्रदेश विज्ञान और तकनीकी परिषद, लखनऊ के वित्तीय सहयोग से किया गया।

कृषि वानिकी में क्लोनल पॉपलर तथा यूकेलिप्टस की उपयोगिता का विवरण

कृषि वानिकी में गंभार की उपयोगिता

प्रतिभागियों के साथ चर्चा

यूकेलिप्टस पौधारोपण क्षेत्र का भ्रमण

पॉपलर की कटिंग तथा यूकेलिप्टस के क्लोनल पौधों का वितरण

प्रशिक्षण तथा प्रदर्शन कार्यक्रम के प्रतिभागी गण

xxxxxxxxxxxxxxxxx